

பொதுமக்கள் குழும்த் சிங்
துணைவேந்தர்

आचार्य गुरमीत सिंह
कुलपति

Prof. GURMEET SINGH
Vice-Chancellor

आर.वेंकटरामन नगर,
R. Venkataraman Nagar,
कालापेट / Kalapet,
पुदुच्चेरी - ६०५ ०१४.
Puducherry - 605 014.
भारत . India.

संदेश

प्रिय साथियो,

2 अक्टूबर 2019 को हम गांधीजी की 150वीं की जयंती मना रहे हैं। 2 अक्टूबर से 2 नवंबर तक राजभाषा मासोत्सव भी हम मनाएंगे। आजादी आंदोलन के दौरान गांधीजी ने एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदीतर क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार पर बल दिया था। हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी प्रचार आंदोलन के सौ साल इसी बीच पूरा हो चुका है। आजाद भारत के संविधान में भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी निर्धारित है। भारतीय संविधान भारतीय भाषाओं के विकास का पक्षधर है। संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएँ शामिल हैं। इन्हीं में से कई भाषाएँ राज्यों की राजभाषाएँ हैं।

इन जनभाषाओं का प्रचार-प्रसार-प्रयोग सहित राजभाषा के रूप में विकास करना ही राजभाषा मासोत्सव का मूल उद्देश्य है। भारतीय भाषाओं के विकास की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में प्रशासनिक कार्यों में अंग्रेजी के अलावा हम तमिल तथा हिंदी का भी प्रयोग कर रहे हैं। नामपट्ट, पत्रशीर्ष आदि त्रिभाषी रूप में प्रयोग कर रहे हैं। भारत की कई भाषाएँ बोलनेवाले स्टॉफ सदस्य और छात्र यहाँ रहने की वजह से हम मातृभाषाओं के विकास के लिए मातृभाषा दिवस भी मना रहे हैं। चूंकि हमारा विश्वविद्यालय उच्चस्तरीय शिक्षा और शोध का केंद्र है, हमें शिक्षण और शोध के सुफल भारतीय भाषाओं में भी देने की ज़रूरत है। आइए हम इस दिशा में कदम आगे बढ़ाएं।

राजभाषा मासोत्सव के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ। आप सबसे मैं अनुरोध करता हूँ कि इस मासोत्सव के दौरान आयोजित होनेवाली विभिन्न गतिविधियों में आप सब सक्रिय भागीदारी कीजिए। हम अपनी भाषाओं के विकास के लिए अपना योगदान निरंतर सुनिश्चित करेंगे। यही राजभाषा मासोत्सव का मूल उद्देश्य और लक्ष्य भी है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

आपका



(गुरमीत सिंह)